लखनऊ। मंगलवार को कालिदास मार्ग स्थित मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पर आयोजित धार्मिक मामलों के विभाग के एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को स्मृति चिह्न प्रदान किया गया।

तीर्थ स्थल देश की सांस्कृतिक एकता के केन्द्र

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

लखनऊ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश की चारों दिशाओं में स्थापित तीर्थस्थल पर्यटन के केन्द्र मात्र ही नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक एकता के केन्द्र बिन्दु हैं। जब लोग विभिन्न दिशाओं की धार्मिक यात्राएं करते हैं तो इससे देश की सामाजिक एवं सांस्कृतिक एकता को भी बल मिलता है। मुख्यमंत्री मंगलवार को यहां अपने सरकारी आवास पर कैलाश मानसरोवर एवं सिन्धु दर्शन के श्रद्धालुओं को अनुदान वितरण समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कतिपय कारणों से बीच में कैलाश मानसरोवर की यात्रा स्थगित हो गई थी, जिसको पुनः केन्द्र सरकार के सहयोग से शुरू कराया जा सका। उन्होंने कैलाश मानसरोवर की यात्रा को कठिन एवं चुनौतीपूर्ण यात्रा बताया।

योगी ने कहा कि कैलाश मानसरोवर यात्रा की कठिनाइयों को देखते हुए प्रदेश सरकार ने अनुदान देने के साथ ही इसे दोगुना करने का योगदान की सराहना की। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कैलाश मानसरोवर यात्रा को और अधिक आसान बनाने के लिए जो काम किया है। इससे श्रद्धालुओं को कैलाश मानसरोवर की यात्रा में काफी आसानी होगी।

उन्होंने प्रतिवर्ष लद्दाख में आयोजित होने वाले सिन्धु दर्शन की चर्चा करते हुए कहा कि इस आयोजन से वर्तमान पीढ़ी को अपनी वैदिक कालीन प्राचीन संस्कृति से जुड़ने का मौका मिलता है। इसमें अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करायी जाएगी।

चारधाम यात्राओं का उल्लेख करते हुए योगी ने कहा कि कभी हरिद्वार के बाद उत्तराखण्ड में चारधाम यात्रा के लिए ठोस कदम उठा रही है। केन्द्र सरकार वहां रेलवे ट्रैक बिछाने का काम कर रही है। जिससे ये यात्राएं और सहज हो जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने वर्तमान राज्य सरकार द्वारा गाजियाबाद में बनाए जा रहे कैलाश मानसरोवर भवन की चर्चा की। इस भवन में धर्मार्थ कार्य विभाग द्वारा सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएंगी, जिससे कैलाश मानसरोवर, सिन्धु दर्शन, चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं को सुविधा होगी। धार्मिक स्थलों पर बुनियादी सुविधाओं के विकास से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने धर्मार्थ कार्य विभाग की वेबसाइट का लोकार्पण किया। धर्मार्थ कार्य विभाग की सभी योजनाओं एवं परियोजनाओं की जानकारी उपलब्ध होगी। इस वेबसाइट को ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल से भी जोड़ा जाएगा, जिससे कैलाश मानसरोवर यात्रा, वरिष्ठ नागरिक यात्रा, सिन्धु दर्शन यात्रा एवं विभिन्न यात्राओं हेतु ऑनलाइन आवेदन के साथ-साथ अनुदान की भी सुविधा मिलेगी। उन्होंने वर्ष 2016 में कैलाश मानसरोवर की यात्रा करके लौटे 94 एवं लेह-लद्दाख के अन्तर्गत सिन्धु दर्शन कर वापस आए 71 तीर्थ यात्रियों में से कुछ को प्रतीक के रूप में क्रमशः 50-50 हजार एवं 10-10 हजार रुपये की अनुदान राशि के चेक वितरित किए।

इससे पूर्व, धर्मार्थ कार्य मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के धार्मिक स्थलों के विकास के लिए कई योजनाएं संचालित कर रही है। प्रमुख सचिव धर्मार्थ कार्य अवनीश कुमार अवस्थी ने कहा कि कैलाश मानसरोवर भवन को जल्द से जल्द बनाने के लिए गंभीरता से काम किया जाएगा। कार्यक्रम को कैलाश मानसरोवर निष्काम समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय

कैलाश मानसरोवर के 94 तीर्थ यात्रियों व सिन्धु दर्शन के 71 यात्रियों को सीएम ने दिये अनुदान राशि के चेक

गाजियाबाद में बनाए जा रहे कैलाश मानसरोवर भवन में सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएंगी

मुख्यमंत्री ने धर्मार्थ कार्य विभाग की वेबसाइट को भी किया लांच